vet. dunni — Them. dunnja — nostrum dünn; hib. tana; russ. tonkii; v. 1. तन. Cum तनु corpus cf. slav. TBAO tjelo.)

तनुत्र n. (e तनु et न्न servans, v.sq.) lorica, thorax. तनुत्राण n. (e तनु corpus, et न्राण servans, a r. न्ना s. म्रन) lorica, thorax. A.11.4.

तन्स् n. (r. तन् s. उस्) corpus. (v. तन् sgn. 2.) तन् f. (v. तन्) corpus.

तन्तप n. butirum purificatum.

तनूनपाद् m. (e praec. et म्रद् edens) ignis. Hrr. 55.10. (cf. ज्ञतभूज, ज्ञताश्चनः)

तनूरह m.n. (e तन् vel तनुस् secundum euph. r. 75. et हह crescens, a r. रुड्ड s. म्र) pilus corporis. N. 26.32.

तन्ति m. (r. तन् s. ति) textor.

নন্ন m. (r. ননু s. নু) filum. Hit. 24.20.

तन्तुका m. (a praec. s. का) id. BHAR. 1.95.

নন্ধ 10. A. (scribitur নের, gr. 110^a). sed videtur esse Denom. a নন্ধ, quod a নন্ধ extendere) sustentare, praesertim familiam. SAK. 91.13.: প্রসা: দ্রসা: দ্রসা: দ্রসা: ব্যা ইবা নাম্বাধিন্সা

নক্ল (r. ননু s. স্ল) I.m. textor (cf. ননিন). II.n. 1) filum (cf. নন্ন). 2) sustentatio familiae. 3) nomen librorum, qui precum formulas mysticas et sacros ritus tractant.

নন্দ্র f. 1) lassitudo. N. 24.53. 2) pigritia, segnitia. নন্দ্র (f. হ, ван. е নন্ et স্কত্র corpus) tenue, gracile

corpus habens. H.2.37.

तप् 1. म. calefacere, urere. A. 4. 47ः न तत्र सूर्यस् तपितः हो। 11. 19ः पश्यामि त्वां स्वतेत्रसा विश्वम् उदन् तपन्तम्; Hit. 24.6ः सुत्तप्तम् पानीयम् — Intrans. ardere, uri. MAH. 1. 2037ः तपन्ति वङ्गेः — Transl. dolore afficere, vexare. H. 1. 23ः कारुपयेन मनस् तस्मः; BR. 2. 31ः न मान् तप्स्यत्य् अजीविन्तमः; R. Schl. I. 8. 1ः सुतार्थन् तप्यमानस्य ना "सीद् वंशकरः सुतः — Intrans. dolere, moerere. BR. 1. 32ः स्रात्मानम् अपिचा 'त्सृड्य तप्स्यामि परलोकगः — Caus. vel cl. 10. म. 4. 1) calefacere, urere. Hit. 23. 22ः न हि तापयितुं शक्यं सागराम्भस् तृणोल्कयाः MAH.

3. 14785ः तापयन् … रशिमवान् इव तेजसाः — ताम pro तापित splendens In. 1.9. 2) cruciare, vexare. Ман. 1. 1571.: त्वन् तीव्रेण तपसा प्रजास् तापयसेः GITA-Gov. 11.22:: ताचित: कन्दर्चेण. 3) se ipsum castigare, corpus suum vexare. MAH. 3. 8199.: य: स्त्रा-तस् तापयेत् तत्रः — Cl. 4. A. interdum P. तप्ये, त-ट्यामि se ipsum castigare, corpus suum vexare. R. Schl. I.57.11.: पुत्रान् दरशे तप्यमानान - Plerumque adjecto substant. तपस्, e.c. M.4.: सा उत्तप्यत तपा घारम् ; Вн. 17.5.: घारन् तत्यन्ते ये तथा जनाः; Sv.1. 7: तत्रो 'ग्रन् तेपतस् तपः; Ман. 1.4619:: तप्स्यावी विपुलन् तपः 4781ः तप्स्ये महत् तपः (Cf. lat. tepeo; gr. τέφρα, ΤΑΦ, Θάπτω, quod primitive cremare significat; fortasse $\alpha\pi\tau\omega$ accendo e $\tau\alpha\tau\tau\omega$, abjecto τ , vel primum mutato τ in σ , deinde in spir. asp.; russ. tepl calidus, teplota calor; hib. tebhot «intense heat»; german. vet. damf. Ad hanc radicem etiam traxerim lat. tempus, quod primitive fervidum anni tempus significaverit, deinde tempus in universum, sicut sanscr. বার্য (pluvia) et সূত্র (aquam dans) pro pluvio anni tempore annum ipsum significant. Quod ad suffixum attinet, tempus cum तपस convenit.)

c. अनु Pass. uri, dolore affici, dolere, moerere. R. Schl. II. 42.11: स्पृष्ट्वा 'गिनम् इव पाणिना। अन्वतप्यत धर्मात्मा पुत्रं सिंचन्त्य तापसम्; MAH. 3.992: यस् त्वाम् … वनम् प्रस्थाप्य ना 'न्वतप्यत उर्मितः: 13720: अनुतप्ये भृशन् तात तव घोरेण कर्मणाः — Caus. dolore afficere, moerorem afferre. RAGH. 8.88.

c. म्रन् praef. प्रति Pass. dolore affici, poenitentiâ vexari. R. Schl. II. 12. 36.: यदि दत्त्वा वरी राजन् पुनः प्रत्य-नृतप्यमे

c. म्रिन i. q. simpl. RAGH. 8.43.: म्रिनित्तम् म्रय: calens ferrum; transl. R. Schl. II. 62.5.: द्वाभ्याम् म्रिप महागात: शोकाभ्याम् म्रिनितयते (cf. Sl.6.: द्व्यमानस् तु शोखाभ्याम्)

с. उप id. R. Schl. II. 59.9.: उपतिहादका नदाः; Ман. 3.71.: दुःखेन शरीरम् उपत्रत्यते — Caus. id. Ман.